अटारी बॉर्डर पर गूंजेगा रहमान का जय हो

बीएसएफ जवानों को समर्पित होगा संगीतमय सम्मान

देश की सीमाओं पर तैनात जवानों के साहस और समर्पण को सलाम करने के लिए अटारी बॉर्डर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. निर्देशक इम्तियाज अली की आगामी फिल्म 'मेन वापस आऊंगा' की टीम इस आयोजन के माध्यम से सीमा सुरक्षा बल के जवानों को सम्मान अर्पित करेगी. कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संगीतकार ए.आर. रहमान की विशेष प्रस्तुति होगी.

पद्म भूषण सम्मान से सम्मानित और दो बार ऑस्कर तथा ग्रैमी पुरस्कार जीत चुके ए.आर. रहमान जय हो – ए ट्रिब्यूट टू द ब्रेवहार्ट्स शीर्षक से आयोजित इस कार्यक्रम में अपने संगीत के जरिए देश के वीर जवानों को नमन करेंगे. यह कार्यक्रम उन सैनिकों को समर्पित होगा, जो हर परिस्थिति में देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सीमाओं पर डटे रहते हैं. कार्यक्रम का आयोजन 7 जून को शाम 4:30 बजे से 5:30 बजे तक अटारी बॉर्डर स्थित जेसीपी स्टेडियम में होने वाले प्रतिष्ठित परेड समारोह के दौरान किया जाएगा. इस दौरान उपस्थित दर्शकों को देशभक्ति, संगीत और सम्मान का एक यादगार अनुभव मिलेगा. आयोजकों का मानना है कि संगीत के माध्यम से जवानों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना एक भावनात्मक और प्रेरणादायक पहल है. ए.आर. रहमान के अलावा इस अवसर पर फिल्म 'मेन वापस आऊंगा' के निर्देशक इम्तियाज अली और अभिनेता वेदांग रैना भी मौजूद रहेंगे. कार्यक्रम में लोकप्रिय गायक मोहित चौहान, पूजा तिवारी और नरगिस अपनी प्रस्तुतियों से माहौल को और खास बनाएंगे. उनकी आवाज में देशभक्ति के गीत और विशेष संगीत प्रस्तुति कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाएगी.

राम चरण की फिल्म ने रचा नया इतिहास

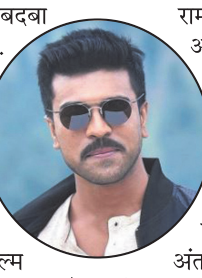

भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक 'पेद्दि' ने रिलीज के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा कायम कर लिया है. महीनों तक चले प्रमोशन, सोशल मीडिया पर बने जबरदस्त बज, लोकप्रिय गानों और दमदार ट्रेलर के बाद आखिरकार फिल्म सिनेमाघरों में पहुंची और दर्शकों ने इसे हाथोंहाथ लिया. रिलीज के सिर्फ दो दिनों में फिल्म ने दुनियाभर में 181.8 करोड़ का शानदार ग्रॉस कलेक्शन दर्ज कर इतिहास रच दिया है.

राम चरण, जाह्नवी कपूर और जगपति बाबू स्टारर इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है. शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि फिल्म ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में शानदार प्रदर्शन किया है. यही वजह है कि इसे साल 2026 की सबसे बड़ी ओपनिंग फिल्मों में गिना जा रहा है.

सिल्वर स्क्रीन के बाद अब किचन में छाए एनटीआर

फिल्मी दुनिया के सितारों की जिंदगी से जुड़ी छोटी-छोटी बातें भी उनके प्रशंसकों के लिए बेहद खास होती हैं. यही वजह है कि जब साउथ सुपरस्टार एनटीआर ने अपनी पहली बेकिंग का अनुभव साझा किया तो फैंस ने इसे हाथोंहाथ लिया. अभिनेता का यह नया और अनोखा अंदाज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

हाल ही में एनटीआर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने घर पर खुद से बनाई गई चॉकलेट चिप कुकीज़ की झलक दिखाई. वीडियो में एक ट्रे में रखी 12 मोटी और आकर्षक दिखने वाली कुकीज़ नजर आ रही थीं. सुनहरे-भूरे रंग की इन कुकीज़ में भरपूर मात्रा में चॉकलेट चिप्स दिखाई दे रहे थे, जो उन्हें और भी लाजवाब बना रहे थे. एनटीआर का यह पोस्ट सामने आते ही फैंस की प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई. कई प्रशंसकों ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि अभिनेता हर काम को पूरे समर्पण के साथ करते हैं, चाहे वह अभिनय हो या बेकिंग. कुछ यूजर्स ने मजाकिया अंदाज में पूछा कि क्या अब वह फिल्मों के साथ-साथ बेकरी बिजनेस में भी कदम रखने वाले हैं.

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो ने एनटीआर के एक अलग और निजी पक्ष को भी सामने लाया है. आमतौर पर फैंस उन्हें बड़े पर्दे पर एक्शन, डांस और दमदार किरदारों में देखते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने अपने घरेलू और रचनात्मक अंदाज से लोगों का दिल जीत लिया.

सोशल मीडिया से दूरी ने बदली तापसी की जिंदगी

बॉलीवुड की प्रतिभाशाली अभिनेत्री तापसी पन्नू ने करीब एक साल बाद सोशल मीडिया पर वापसी कर अपने प्रशंसकों को बड़ा सरप्राइज दिया है. अपनी दमदार फिल्मों और बेबाक विचारों के लिए पहचानी जाने वाली तापसी पिछले लंबे समय से सोशल मीडिया से दूर थीं. उनकी गैरमौजूदगी को लेकर फैंस के बीच कई तरह की चर्चाएं होती रही थीं, लेकिन अब अभिनेत्री ने खुद सामने आकर इसके पीछे की वजह बताई है.

सोशल मीडिया पर लौटते ही तापसी ने सबसे पहले अपने फैंस से जुड़ने की कोशिश की. उन्होंने अपने फॉलोअर्स से पूछा कि वे उनके प्रोफाइल पर किस तरह का कंटेंट देखना चाहते हैं. इस बातचीत के दौरान उन्होंने अपने ब्रेक के बारे में भी खुलकर बात की. तापसी ने बताया कि उन्होंने कभी अपनी सोशल मीडिया अनुपस्थिति को बड़ा मुद्दा नहीं माना और न ही इसके बारे में सार्वजनिक रूप से ज्यादा चर्चा करने की जरूरत समझी.

उनके अनुसार, यह फैसला पूरी तरह से उनकी मानसिक शांति और निजी जीवन को संतुलित रखने के लिए लिया गया था. अभिनेत्री ने कहा कि सोशल मीडिया की लगातार चलने वाली दौड़ में शामिल होकर वह खुद को थका हुआ महसूस करने लगी थीं. वह अपनी वास्तविक जिंदगी को जीना लगभग भूल चुकी थीं और हर समय फोन पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को चेक करना उनकी आदत बन गया था. स्थिति ऐसी हो गई थी कि उन्होंने अपने फोन से सोशल मीडिया ऐप्स ही हटा दिए ताकि वह इस आदत से बाहर निकल सकें.

टेलीविजन

भरोसा जीतकर रिओ ने फिर किया बड़ा धमाका

रियलिटी शो क्यूंकि सास भी कभी बहु थी का हालिया एपिसोड भावनाओं, रणनीति और अप्रत्याशित फैसलों से भरपूर रहा. इस बार सबसे ज्यादा सुर्खियां रिओ ने बटोरीं, जिन्होंने पावर ऑफ अटॉर्नी जीतने के बाद ऐसा कदम उठाया जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी. एपिसोड की शुरुआत में रिओ ने अपनी साड़ी वितरण पहल के पीछे की मंशा को स्पष्ट करते हुए कहा कि उनका लक्ष्य केवल आर्थिक लाभ कमाना नहीं था, बल्कि लोगों के बीच विश्वास और सकारात्मक छवि बनाना था.

रिओ के अनुसार, इस चुनौती में उन्हें कोई सीधा वित्तीय फायदा नहीं हुआ, लेकिन उन्होंने लोगों का भरोसा जीत लिया. उनका मानना है कि किसी भी प्रतियोगिता में सिर्फ संसाधन हासिल करना ही महत्वपूर्ण नहीं होता, बल्कि लोगों का समर्थन और सम्मान भी उतना ही जरूरी होता है. उनकी इस बात ने कई प्रतिभागियों को सोचने पर मजबूर कर दिया. पावर ऑफ अटॉर्नी मिलने के बाद सभी की नजरें रिओ पर थीं. घर के सदस्य यह जानने के लिए उत्सुक थे कि वह इस विशेष अधिकार का इस्तेमाल किस तरह करेंगे. हालांकि,रिओ ने अपेक्षाओं से बिल्कुल अलग फैसला लेकर सभी को हैरान कर दिया. उनके निर्णय ने न केवल घर के समीकरण बदल दिए बल्कि प्रतियोगिता को भी नया मोड़ दे दिया.

मालती की चेतावनी से परिवार में बढ़ा तनाव

तुम देना साथ मेरा की कहानी इन दिनों बेहद दिलचस्प मोड़ पर पहुंच चुकी है. शो में लगातार ऐसे घटनाक्रम देखने को मिल रहे हैं जो दर्शकों की उत्सुकता को बढ़ा रहे हैं. हालिया एपिसोड में अपराजिता ने वह कदम उठा लिया जिसका इंतजार लंबे समय से किया जा रहा था. उन्होंने पूरे परिवार के सामने ललित की सच्चाई उजागर कर दी, जिससे घर का माहौल पूरी तरह बदल गया. ललित के बारे में हुए इस बड़े खुलासे ने परिवार के सदस्यों को झकझोर कर रख दिया है. जिन लोगों को उस पर भरोसा था, वे अब खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं. वहीं कुछ सदस्य अब भी स्थिति को समझने की कोशिश में लगे हैं. इस घटना के बाद परिवार के भीतर कई सवाल खड़े हो गए हैं और रिश्तों में दरार साफ दिखाई देने लगी है.

माधुरी और अनिल को साथ देख झूमे फैंस

बॉलीवुड की सुपरहिट जोड़ी ने बटोरी सुर्खियां

बॉलीवुड में कुछ जोड़ियां ऐसी होती हैं, जिनका जादू समय बीतने के बाद भी कम नहीं होता. अनिल कपूर और माधुरी दीक्षित की जोड़ी भी उन्हीं में से एक है. 90 के दशक में दोनों ने कई यादगार फिल्मों में साथ काम किया और दर्शकों के दिलों पर राज किया. अब एक बार फिर दोनों सितारे एक साथ नजर आए हैं, जिसने फैंस के बीच उत्साह का माहौल बना दिया है.

माधुरी दीक्षित की आगामी नेटफ्लिक्स फिल्म 'मां-बहन' की स्पेशल स्क्रीनिंग हाल ही में मुंबई में आयोजित की गई. इस कार्यक्रम में फिल्म और टीवी इंडस्ट्री की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं. हालांकि, सबसे ज्यादा ध्यान अनिल कपूर और माधुरी दीक्षित की मौजूदगी ने खींचा. जैसे ही दोनों एक साथ कैमरों के सामने आए, वहां मौजूद लोगों के साथ-साथ सोशल मीडिया यूजर्स की भी नजरें उन पर टिक गईं. कार्यक्रम से सामने आए वीडियो और तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं.

वीडियो में दोनों सितारे बेहद सहज और खुश नजर आ रहे हैं. उनके बीच की दोस्ती और सम्मान साफ दिखाई दे रहा है. यही वजह है कि फैंस इस पल को खास बता रहे हैं और पुराने दौर की फिल्मों को याद कर रहे हैं. सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने लिखा कि अनिल कपूर और माधुरी दीक्षित को एक साथ देखकर उन्हें अपने पसंदीदा फिल्मी दिनों की याद आ गई.

थाली से जुड़ी सच्चाई दिखाएगी द इंडिया स्टोरी

भारतीय सिनेमा में सामाजिक मुद्दों पर आधारित फिल्मों की हमेशा एक खास जगह रही है. अब इसी कड़ी में 'द इंडिया स्टोरी' एक ऐसे विषय को सामने ला रही है, जो हर व्यक्ति के जीवन से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है. काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अभिनीत इस फिल्म का प्रोमो रिलीज होते ही चर्चा का विषय बन गया है. फिल्म खाद्य मिलावट की गंभीर समस्या को केंद्र में रखकर बनाई गई है और इसके जरिए लोगों को जागरूक करने की कोशिश की गई है.

हाल ही में जारी प्रोमो में उन सच्चाइयों को उजागर किया गया है, जिनका सामना आम लोग अनजाने में हर दिन करते हैं. वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे रासायनिक पदार्थों से पकाए गए फल, कृत्रिम रूप से तैयार की गई सब्जियां, दूषित डेयरी उत्पाद और अन्य मिलावटी खाद्य सामग्री बाजार में बेची जा रही हैं. यह दृश्य दर्शकों को सोचने पर मजबूर करते हैं कि उनके परिवार तक पहुंचने वाला भोजन वास्तव में कितना सुरक्षित है. फिल्म की कहानी केवल मिलावट की समस्या को दिखाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके दूरगामी परिणामों पर भी प्रकाश डालती है.

यंग इंडिया

इंडियन नेवी में अग्निवीर अप्रेंटिसशिप के लिए आवेदन शुरू

इंडियन नेवी की ओर से अग्निवीर अप्रेंटिसशिप के पदों पर भर्ती के लिए ऑफिशियल नोटिफिकेशन जारी कर दिया है. जो उम्मीदवार इंडियन नेवी में बतौर अग्निवीर अप्रेंटिसशिप के पदों पर नौकरी करना चाहते हैं. उन उम्मीदवारों के लिए यह एक सुनहरा मौका है. अप्रेंटिसशिप के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू हो गए हैं. इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार 29 जून, 2026 तक अग्निवीर अप्रेंटिसशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं. इसके साथ ही उम्मीदवारों को फॉर्म में करेक्शन करने का भी मौका दिया जाएगा. उम्मीदवार 06 जुलाई, 2026 तक अपने फॉर्म में सुधार कर सकते हैं.

इंडियन नेवी में अग्निवीर अप्रेंटिसशिप में आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों ने भारत के किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से कक्षा दसवीं न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो. लिखित परीक्षा में उम्मीदवारों से 100 अंकों के 100 सवाल पूछे जाएंगे. परीक्षा हिंदी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में आयोजित कराई जाएगी. परीक्षा में उम्मीदवारों से बहुविकल्पीय प्रकार के सवाल पूछे जाएंगे. लिखित परीक्षा एक घंटे के लिए आयोजित कराई जाएगी. परीक्षा में उम्मीदवारों से सामान्य ज्ञान, विज्ञान, गणित और संबंधित ट्रेड से सवाल पूछे जाएंगे. परीक्षा में गलत उत्तर के लिए एक-चौथाई अंक की नेगेटिव मार्किंग भी की जाएगी.

परीक्षा में सफल हुए उम्मीदवारों को स्टेज-2 की परीक्षा के लिए आमंत्रित किया जाएगा. अग्निवीर अप्रेंटिसशिप में आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को परीक्षा शुल्क का भुगतान करना अनिवार्य है. सभी कैटेगरी के उम्मीदवारों के लिए परीक्षा शुल्क 550 रुपये निर्धारित की गई है. इंडियन नेवी में अग्निवीर अप्रेंटिसशिप के पदों पर आवेदन शुरू हो गए हैं. यहां उम्मीदवारों की सहायता के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के निम्नलिखित स्टेप्स बताए गए हैं. उममीदवार इन स्टेप्स को फॉलो करके अपना फॉर्म भर सकते हैं. आवेदन करने के लिए सबसे पहले ऑफिशियल वेबसाइट joinindiannavy.gov.in पर जाकर विजिट करें.

बी .कॉम और बीबीए में से कौन है बेहतर

बीबीए और बी.कॉम दोनों ही वाणिज्य के क्षेत्र में कोर्स हैं, लेकिन इनके फोकस अलग हैं. बीबीए (बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन) में आप व्यवसाय प्रबंधन, मार्केटिंग और मानव संसाधन जैसे विषय पढ़ते हैं. यह आपको प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं को समझने में मदद करता है. दूसरी ओर, बी.कॉम में आप वित्त, लेखा और कराधान जैसे विषयों पर ध्यान देते हैं. बी.कॉम का फोकस अधिक तकनीकी और अकाउंटिंग से संबंधित है. अगर आप व्यवसाय चलाना चाहते हैं, तो बीबीए सही है, जबकि वित्तीय करियर के लिए बी.कॉम बेहतर है.

दोनों ही फील्ड में करियर के अच्छे मौके हैं, लेकिन आमतौर पर बीबीए से ज्यादा कमाई की संभावनाएं होती हैं. बीबीए करने के बाद आप प्रबंधन, मार्केटिंग, और मानव संसाधन में काम कर सकते हैं, जहां अच्छे पैकेज मिल सकते हैं. अगर आप बीबीए के बाद एमबीए करते हैं, तो आपकी कमाई और भी बढ़ सकती है. दूसरी ओर, बी.कॉम में भी अच्छे पैकेज हैं, लेकिन ये अक्सर अकाउंटिंग और फाइनेंस से जुड़ी जॉब्स तक सीमित होते हैं. कुल मिलाकर, बीबीए से ज्यादा विविधता और कमाई के मौके मिलते हैं. बीए और बीकॉम की फीस में फर्क होता है. सरकारी कॉलेज में बीबीए की फीस सालाना 10,000 से 30,000 रुपये हो सकती है, जबकि बीकॉम की फीस 5,000 से 20,000 रुपये के बीच होती है.

निजी कॉलेज में बीबीए की फीस 50,000 से 3,00,000 रुपये तक जा सकती है, जबकि बीकॉम की फीस 30,000 से 2,00,000 रुपये तक होती है. भारत में, बीकॉम की औसत फीस 10,000 से 1,00,000 रुपये के बीच है. अब, किस कोर्स को चुनना है, यह आपकी रुचि पर निर्भर करता है. अगर आप प्रबंधन में करियर बनाना चाहते हैं, तो बीबीए सही है. लेकिन अगर आपकी रुचि लेखा और वित्त में है, तो बीकॉम बेहतर रहेगा.

जेएसए और एलडीसी समेत कई पदों पर निकली भर्ती

कर्मचारी चयन आयोग एसएससी की ओर से जूनियर सेक्रेटेरिएट असिस्टेंट जेएसए और लोअर डिवीजन क्लर्क एलडीसी के पदों पर भर्ती के लिए ऑफिशियल नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है. जो उम्मीदवार इन पदों पर नौकरी करना चाहते हैं. वे 2026 के लिए आवेदन कर सकते हैं. इन पदों पर ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 05 जून से शुरू हो गई है.

इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार 26 जून, 2026 तक आवेदन कर सकते हैं. इसके साथ ही परीक्षा का आयोजन जुलाई या अगस्त माह में किया जाएगा. आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों की अधिकतम आयु 45 वर्ष निर्धारित की गई है. आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को आयु-सीमा में छूट भी दी जाएगी. एसएससी एवं एसटी उम्मीदवारों को आयु-सीमा 5 वर्ष की छूट, ओबीसी उम्मीदवारों का चयन लिखित परीक्षा के आधार पर किया जाएगा. लिखित परीक्षा में दो पेपर होंगे. पेपर-1 निबंध के लिए आयोजित कराया जाएगा.

यह परीक्षा कुल 100 अंकों के लिए संचालित की जाएगी. परीक्षा की अवधि एक घंटे 30 मिनट निर्धारित की गई है. इसके अलावा, पेपर-2 में उम्मीदवारों से सामान्य अंग्रेजी एवं सामान्य हिंदी और सामान्य ज्ञान विषय से 100 अंकों के 100 बहुविकल्पीय प्रकार के सवाल पूछे जाएंगे. पेपर-2 की परीक्षा दो घंटे के लिए आयोजित कराई जाएगी.

महिलाओं के लिए सबसे बेहतरीन कॅरियर विकल्प

महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर लगातार बढ़ रहे हैं और कई ऐसे क्षेत्र सामने आए हैं जहां वे न केवल आर्थिक रूप से मजबूत बन सकती हैं बल्कि लग्जरी लाइफस्टाइल और प्रोफेशनल प्रतिष्ठा भी हासिल कर सकती हैं. डिजिटल युग के विस्तार ने करियर के पारंपरिक विकल्पों से आगे बढ़कर कई नए दरवाजे खोल दिए हैं.

डिजिटल मार्केटिंग आज सबसे तेजी से बढ़ने वाले सेक्टरों में शामिल है. सोशल मीडिया मैनेजर, कंटेंट स्ट्रेटेजिस्ट, एसईओ एक्सपर्ट और डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर जैसी भूमिकाओं में महिलाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है. इस क्षेत्र में अनुभव बढ़ने के साथ वेतन भी कई गुना बढ़ सकता है. वहीं, टेक्नोलॉजी सेक्टर महिलाओं के लिए सबसे अधिक वेतन देने वाले क्षेत्रों में शामिल है. सॉफ्टवेयर डेवलपर, साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट, क्लाउड इंजीनियर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विशेषज्ञ जैसी नौकरियां लाखों रुपये के सालाना पैकेज प्रदान करती हैं.

कई कंपनियां महिला कर्मचारियों को विशेष नेतृत्व कार्यक्रमों और करियर ग्रोथ के अवसर भी देती हैं. डाटा साइंस और बिजनेस एनालिटिक्स भी महिलाओं के लिए आकर्षक विकल्प बन चुके हैं. कंपनियां डाटा आधारित निर्णयों पर अधिक जोर दे रही हैं, जिसके चलते डाटा एनालिस्ट, बिजनेस इंटेलिजेंस एक्सपर्ट और मशीन लर्निंग प्रोफेशनल्स की मांग लगातार बढ़ रही है. इस क्षेत्र में काम करने वाले पेशेवरों को देश और विदेश दोनों जगह बेहतरीन अवसर मिलते हैं. यूएक्स/यूआई डिजाइनिंग, प्रोडक्ट मैनेजमेंट, फिनटेक, ई-कॉमर्स और डिजिटल मीडिया इंडस्ट्री भी महिलाओं के लिए तेजी से उभरते हुए करियर विकल्प हैं. इन क्षेत्रों में क्रिएटिविटी और तकनीकी कौशल का संयोजन बेहतर करियर ग्रोथ और आकर्षक वेतन पैकेज दिला सकता है. आने वाले वर्षों में टेक्नोलॉजी और डिजिटल सेक्टर में रोजगार के अवसर और बढ़ेंगे. ऐसे में महिलाएं यदि समय रहते इन क्षेत्रों से जुड़े कोर्स और स्किल्स विकसित कर लें तो वे न केवल आर्थिक स्वतंत्रता हासिल कर सकती हैं बल्कि नेतृत्व के उच्च पदों तक भी पहुंच सकती हैं.